प्रश्न-पेपर ६४ ता. ।3।५।४४

लघुवृत्ति अध्याय -१ पाद ३ गुणांक ६०

प्र.१ नीचेना भाव बतावता मूल सूत्र लखो। (गमे ते ८) ८ मार्क्स

(१) तद् थी पर सि ना लोपना विधान नो निषेध (२) द् नो द् करनार

(३) नाम संज्ञा दर्शक (४) चतुर्थीना प्रत्यय दर्शक

(५) प्रौढ: प्रयोग दर्शक (६) किमु प्रयोगमां अनुनासिक नो निषेध

प्र.२ नीचेना भाव बतावता सूत्र नो अर्थ लखी, ते सूत्रनुं पाद बतावो (गमे ते ८) ८ मार्क्स

(१) द्विवचन मां संधि नो निषेध (२) मंगलाचरण

(३) अन्य वैयाकरणादि साथेनो संबंध जोडतुं (४) अपदे पद आवतुं होय तेवो

(५) ह् नो भ् करनार (६) अश्व शब्द आवेलो होय तेवुं प्रथम सूत्र

प्र.३ नीचेना सूत्रोनी साधनिका करी अर्थ लखो। (गमे ते ४) ६ मार्क्स

(१) कयास्ते (२) कआरु: (३) लीढि (४) प्रशाल्लिँखति (५) चर्मायाति

प्र.४ नीचेना सूत्रों क्रमसर लखो। (गमे ते बे विभाग) ४ मार्क्स

(१) औद. थी आरंभी विसर्गौ (२) ऌति थी आरंभी एवे

(३) नोप्र. थी आरंभी समः॰ सुधी।

(ब) नीचेना प्रयोगो नो अर्थ लखी कया सूत्रमां आवे छे ते जणावो (गमे ते ५) ५ मार्क्स

(१) पुंदास: (२) भवान्त्साधु (३) माच्छिदत्

(४) तस्मायिदम् (५) पुत्रादिनी त्वमसि पापे। (६) पटू राजा

प्र.५ (अ) नीचेना सूत्रनी टीका लखो। (गमे ते त्रण) ३ मार्क्स

(१) पदान्ताट्टवर्गाद् (२) म्नां धुड्वर्गे (३) नोऽप्रशाना (४) सविशेषण

(ब) नीचेना सूत्रोने संधि मुक्त करो। (गमे ते त्रण) ३ मार्क्स

(१) अधातु विभक्ति. (२) अवर्णस्यै॰ (३) प्रस्यै॰ (४) वौष्ठौतौ

प्र.६ व्याकरणनी उत्पत्ति ना प्रसंग ने आवरीने ग्रंथकार महर्षिनुं जीवन-चरित्र संस्कृत-भाषामां लखो। ५ मार्क्स

प्र.७ नीचेना प्रश्नोना सुस्पष्ट जवाब लखो। (गमे ते दश) २० मार्क्स

(१) प्रथम पादमां आवेल स्वरोनी ज मात्र संज्ञा केटली? कइ कइ?

(२) अंतस्था अने अघोषा बहुवचन शा माटे?

(३) वर्णोना उच्चार स्थान लखी, अस्ववर्ण लखो।

(४) असत्त्वनी व्याख्या लखी, इत् कोने कहेवाय? ते दृष्टांत मां जणावो।

(५) बह्वादि ने संख्यावत् करवानुं फल जणावी, 'ऋतो वा तौ च' सूत्रनो स्पष्ट अर्थ लखो।

(६) प्रस्यै. सूत्र शा माटे? ते जणावी औयतनी साधनिका करो।

(७) 'ऋस्तयो:' मां तयो: एटले शुं? ते जणावी सोढा नी संधि छूटी पाडी अर्थ लखो।

(८) गो ना ओ नो अव नित्य तथा विकल्पे क्यारे थाय ते सदृष्टांत जणावो।

(९) अमुमुईच्या प्रयोग समजावी १-२-५० मां असत् एटले शुं ?
अथवा तेनुं फळ शुं ?

(१०) १/३/१ मां क्यांथी कया आधीकारो आवे छे ते जणावी १/३/२ मां कया-कया आधीकारो जाय छे ?

(११) भवान् शूरः मां कया सूत्रथी कयो कयो प्रयोग थाय ते लखो।

२ अक्षरशुद्धिना